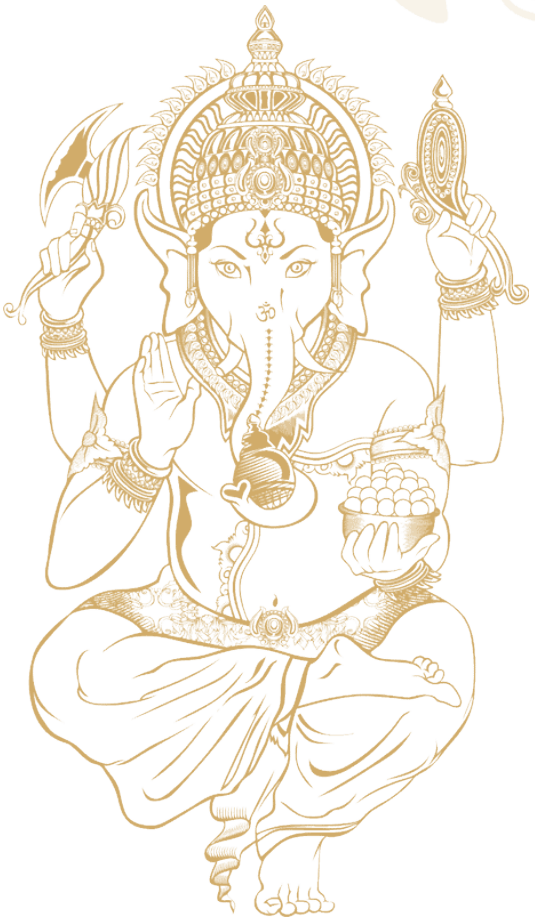

Monu Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120982802

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
31-01/08/1992 :	जन्म तिथि	:	10/08/1991
शुक्र-शनिवार :	दिन	:	शनिवार
घंटे 01:20:00 :	जन्म समय	:	22:30:00 घंटे
घटी 48:43:23 :	जन्म समय(घटी)	:	41:26:33 घटी
India :	देश	:	India
Jaipur :	स्थान	:	Gandhidam
26:53:00 उत्तर :	अक्षांश	:	23:07:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	:	70:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:49:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 घंटे
05:50:38 :	सूर्योदय	:	06:23:25
19:14:19 :	सूर्यास्त	:	19:25:40
23:38:59 :	के.पी. अयनांश	:	23:38:11

विंशोत्तरी शुक्र 19वर्ष 3मा 20दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 9मा 9दि	
चन्द्र		12:40:21	वृष	लग्न	मीन	24:43:16	चन्द्र	
20/11/2017		15:10:50	कर्क	सूर्य	कर्क	23:56:12	21/05/2023	
21/11/2027		13:47:47	सिंह	चंद्र	सिंह	02:19:48	20/05/2033	
चन्द्र	21/09/2018	09:45:39	वृष	मंगल	सिंह	22:38:34	चन्द्र	20/03/2024
मंगल	22/04/2019	18:40:14	कर्क व	बुध व	सिंह	11:56:43	मंगल	19/10/2024
राहु	21/10/2020	21:27:17	सिंह	गुरु	कर्क	29:17:47	राहु	20/04/2026
गुरु	20/02/2022	28:25:32	कर्क	शुक्र व	सिंह	12:00:44	गुरु	20/08/2027
शनि	21/09/2023	21:58:41	मक व	शनि व	मक	08:47:54	शनि	21/03/2029
बुध	19/02/2025	04:53:14	धनु व	राहु व	धनु	23:45:30	बुध	20/08/2030
केतु	20/09/2025	04:53:14	मिथु व	केतु व	मिथु	23:45:30	केतु	21/03/2031
शुक्र	22/05/2027	21:27:17	धनु व	हर्ष व	धनु	16:49:10	शुक्र	19/11/2032
सूर्य	21/11/2027	23:20:18	धनु व	नेप व	धनु	20:53:44	सूर्य	20/05/2033
		26:29:56	तुला	प्लूटो	तुला	23:58:24		

लग्न-चलित

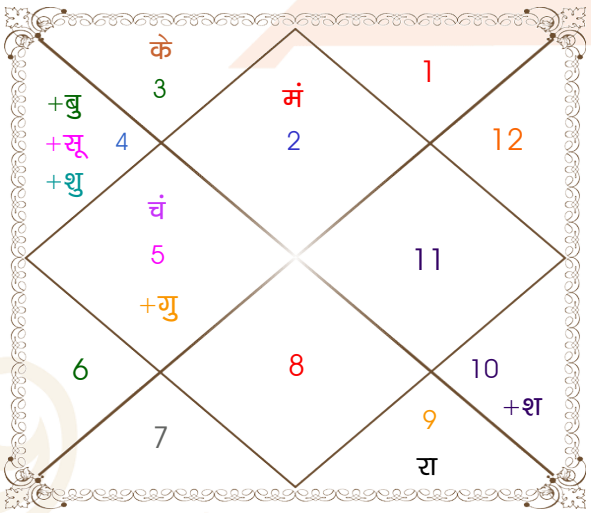

लग्न-चलित

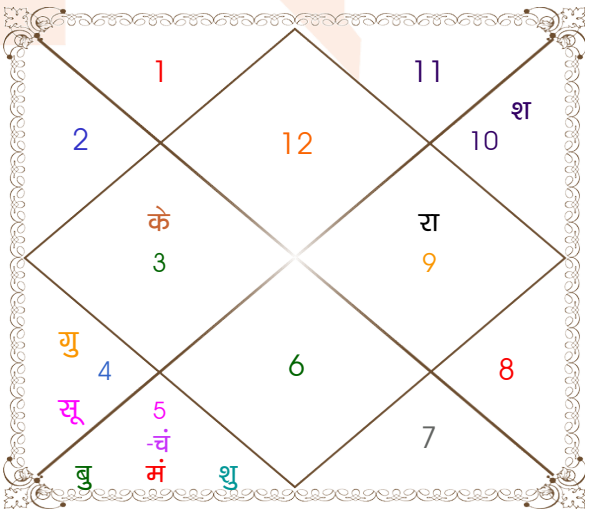

SHREE GANESH JYOTISH KARYALAY
JAIPUR
9782530003
shelendra.gour27@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Monu का वर्ग मूषक है तथा च्ववरं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Monu और च्ववरं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Monu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

च्ववरं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्ववरं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Monu तथा च्ववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।